



---

---

---

---

---

---

---

---

**REMEMBER**

- Remember His mercy in NOT giving you what you deserve... hell...
- Remember His patience with you before AND after your conversion...
- Remember He has forgiven your sin in thought, words, & deeds...
- Remember His great love, "Greater love has no man than this..."

---

---

---

---

---

---

---

---

**REMEMBER**

- Remember His grace in bestowing upon you the highest honor, a child of God...
- Remember the sting of death is gone forever (1 Cor 15:55)...
- Remember you now have His joy in you (Jn 17:13)...
- Remember that He has promised never to leave or forsake you (Heb 13:5)...

---

---

---

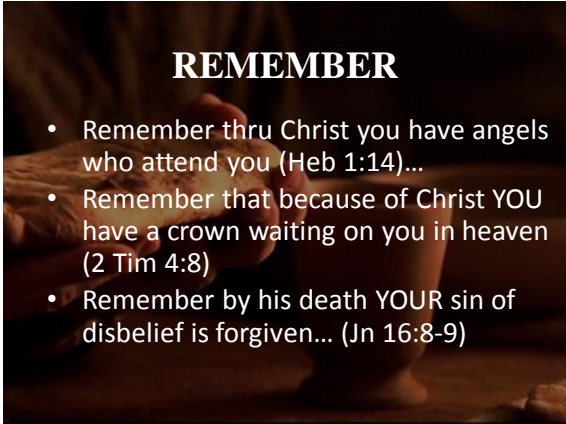
---

---

---

---

---



**REMEMBER**

- Remember thru Christ you have angels who attend you (Heb 1:14)...
- Remember that because of Christ YOU have a crown waiting on you in heaven (2 Tim 4:8)
- Remember by his death YOUR sin of disbelief is forgiven... (Jn 16:8-9)

---

---

---

---

---

---

---

---



**REMEMBER**

- Remember His resurrection... for without that we are most to be pitied (1 Cor 15:19)...
- Remember His RETURN (Rev 22:12, 20)!

One last thing...

---

---

---

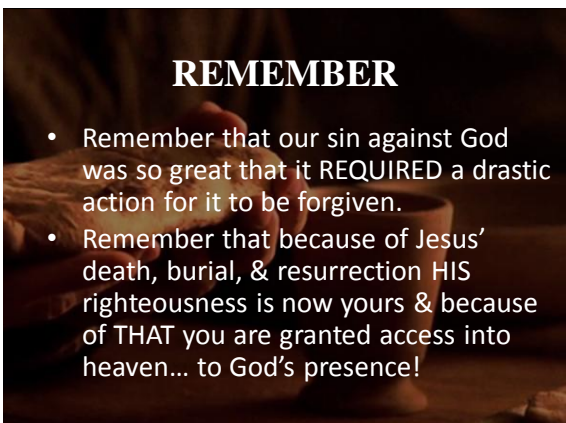
---

---

---

---

---



**REMEMBER**

- Remember that our sin against God was so great that it REQUIRED a drastic action for it to be forgiven.
- Remember that because of Jesus' death, burial, & resurrection HIS righteousness is now yours & because of THAT you are granted access into heaven... to God's presence!

---

---

---

---

---

---

---

---

## Day 22

- I am valuable even in my imperfections – *Romans 5:8*
- I am beautifully and wonderfully made – *Psalms 139:14*
- I am worthy to be loved and can love others because of God's love – *Psalms 8:5*

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

PTGS

---

---

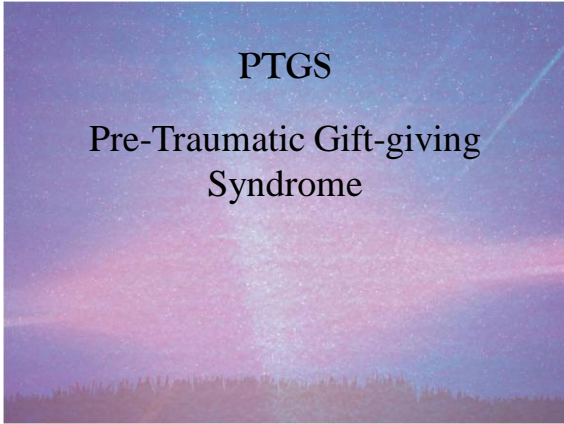
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

**ROMANS 5:8**

But God demonstrates his own love for us in this: While we were still sinners, Christ died for us.

---

---

---

---

---

---

---

---

**1 JOHN 4:10**

This is love: not that we loved God, but that he loved us and sent his Son as an atoning sacrifice for our sins.

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

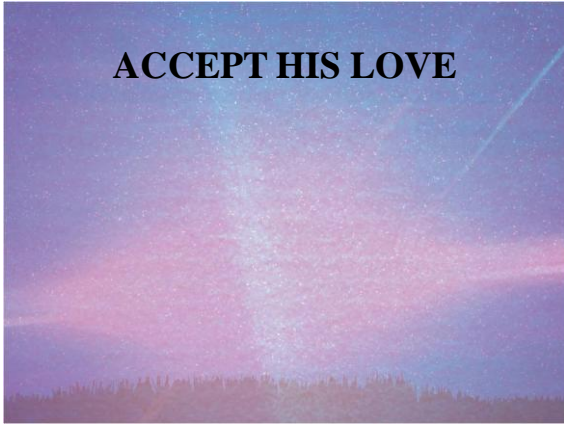
---

---

---

---





---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

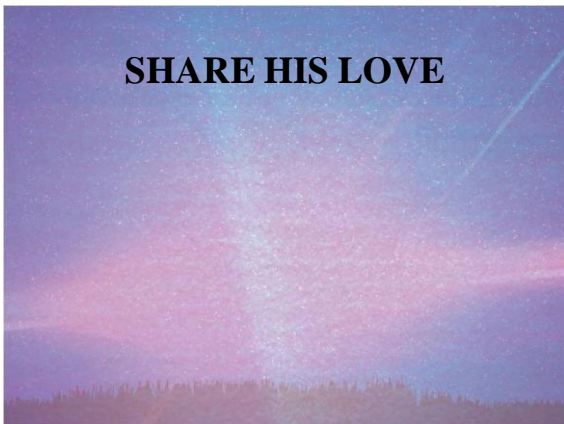
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

### 1 JOHN 4:9-11

<sup>9</sup>This is how God showed his love among us: He sent his one and only Son into the world that we might live through him. <sup>10</sup>This is love: not that we loved God, but that he loved us and sent his Son as an atoning sacrifice for our sins. <sup>11</sup>Dear friends, since God so loved us, we also ought to love one another.

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---